International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

# वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षक प्रशिक्षक कार्यक्रमों की प्रासंगिकता

निर्देशिका
डॉ. अर्चना मेहन्दीरत्ता
असोसिएट प्रोफेसर
अपेक्स स्कूल ऑफ एजुकेशन

प्रस्तुतकर्त्री
ममता गुप्ता
रिसर्च स्कॉलर
राजस्थान, जयपुर

शिक्षा किसी राष्ट्र के नव निर्माण एवं प्रगति की आधारशिला होती है। शिक्षा द्वारा ही राष्ट्रीय सामाजिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विकास संभव है। शिक्षा द्वारा मनुष्य की अन्तनिहित शक्तियों का विकास करके उसके व्यवहार का परिमार्जन एवं परिष्करण किया जाता है। जिसके द्वारा देश की समृद्ध प्रतिभा एवं संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्द्धन व्यक्ति समाज, राष्ट्र और विश्व के हित के लिये किया जाता है।

इसके लिये ज्ञान के परिदृश्य में पूरा विश्व तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में रोजगार और वैश्विक परिस्थिति में तीव्र गति से परिवर्तनों की वजह से यह जरुरी हो गया है। वे सीखने के साथ–साथ सीखते रहने की कला भी सीखे। इसलिये शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता सुधार लाने हेतु द्वि–वर्षीय एवं चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत की गयी है । इनके माध्यम से उच्च स्तर की तार्किक एवं नैदानिक क्षमताओं का विकास किया जायेगा।

अगल दशक में शिक्षण का भविष्य उज्जवल होगा। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा गुणवतापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने एवं जीवन पर्यन्त शिक्षा को बढ़ावा दिया जाने का लक्ष्य है। साथ ही रोजगार के अवसरों को प्राप्त करने का लक्ष्य है।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य अच्छे शिक्षक विकसित करना है, जो तर्क संगत विचार एवं चिन्तन के शैक्षिक स्तम्भ हो। जिसमें करुणा, सहानुभुति, साहस, सम्प्रेषण, लचीलापन, वैज्ञानिक चिन्तन, कल्पनाशक्ति, नवाचारी और नैतिक मूल्य अर्न्तनिहित हो, साथ ही शिक्षक संविधान द्वारा परिकल्पित समावेशी और बहुलतावादी समाज के निर्माण में बेहतर तरीके से योगदान कर सके।

अगली पीढ़ी को आकार देने वाले शिक्षकों के निर्माण में शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके लिये बहुविषयक दृष्टिकोण और ज्ञान की आवश्यकता है। साथ ही बेहतरीन मेंटरो के निर्देशन में मान्यताओं और मूल्य का निर्माण किया जाता है। इसके अन्तर्गत प्रशिक्षकों में भारतीय मूल्यों, भाषाओं का ज्ञान और लोकतन्त्र परम्पराओं के प्रति जागरूक किया जाता है।

शिक्षक शिक्षा के अर्न्तगत व्यवसायिक शिक्षा के प्रसार में तेजी लाने की आवश्यकता है, जिससे भविष्य में प्रशिक्षणार्थी उनके महत्व एवं कौशल से परिचित हो सके एवं अपने भावी सपनो को पूर्ण कर सके। इसके लिये नव–संचालित शिक्षा योजनाएँ सराहनीय कदम है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

यह एक साश्वत सत्य है कि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। भविष्य में इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता भारत सरकार ने बढ़ा दी है। (नयी शिक्षा निती 2020) में चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को अत्यधिक बढ़ावा दिया है। चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा तैयार शिक्षक भावी पीढ़ी को आकार दे सकेंगे। सिस्टम में बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार से शिक्षा की गुणवत्ता के निर्धारित मानको पर नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिये ऐसे उत्कृष्ट नवाचारी कार्यक्रम के द्वारा शिक्षा प्रणालियों में पुनरुद्धार की तत्कालिक आवश्यकता है। शिक्षण पेशे की प्रतिष्ठा को बहाल करने के लिये एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम क्रियान्वित किये जा रहे है। 2030 तक चार वर्षीय एकीकृत बी.एड. कार्यक्रम स्कूली शिक्षकों के लिये न्यूनतम डिग्री योग्यता बन जायेगा। साथ ही एक समग्र दोहरी दक्षता की बड़ी स्नातक डिग्री होगी। शिक्षक शिक्षण कार्यक्रम के समान मानको को बनाये रखने के लिये योग्यता परीक्षण को मानकीकृत किया जायेगा। सभी शिक्षको की प्रोफाइल में विविधता होना एक लक्ष्य होगा जो उनके मजबूती प्रदान करेगा।

वर्तमान में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम मोड्यूल की ओर बढ़ने का मुख्य कारण दुनिया में बढ़ती हुई बेरोजगारी की जटिलताओं को दूर करके रोजगार के अवसरों को सुनिश्चित करना है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम एक व्यवसायिक कार्यक्रम है, जो व्यवसायिक दक्षता में वृद्धि करता है । यह कार्यक्रम समय एवं धन की बचत के साथ दोहरी दक्षता की उपाधि प्रदान करेगा। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा रूचिनुसार शिक्षा प्राप्त होगी एवं भावी जीवन में सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति होगी।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की (राष्ट्रीय शिक्षा निती 2020 के संदर्भ में)

**सारांशः–**

शिक्षक हमारे राष्ट्र की नींव है। शिक्षक का हमारे राष्ट्र के उत्थान के लिये महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिये शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक बदलाव लाने के लिये शिक्षा प्रणाली में निरन्तर परिवर्तन किये जा रहे है। जिसके पीछे कई प्रकार के राजनैतिक आर्थिक एवं शैक्षिक कारक रहे है। पिछले कुछ वर्षों में बेरोजगारी की संख्या बढ़ी है। इसी बेरोजगारी एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु अध्यापक शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव किये गये है। 2015–2016 द्वि–वर्षीय एवं चार वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य गुणात्मक शिक्षा का विकास है। इसके द्वारा आने वाले समय में अध्यापकों के गिरते प्रशिक्षण स्तर को सुधारा जा सके। यह एक अत्यन्त आवश्यक कदम है, क्योंकि प्रशिक्षित अध्यापको की जरूरत ना केवल देश बल्कि विदेशों में भी बढ़ रही है। यह भारतीय युवाओं के लिये वैश्विक स्वर्णिम अवसर है। यह एक नवाचारी कदम है। जिससे स्कूली शिक्षा का स्तर उठाया जा सकता है।

मेरे शोध पत्र में उपरोक्त शिक्षक के अन्तर्गत इसकी महत्ता एवं प्रासंगिकता को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 मे द्वि–वर्षीय एवं चार वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम की महत्ता– वर्तमान समय में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का महत्व दिनों–दिन बढ़ता जा रहा है । प्रशिक्षणार्थी इन कार्यक्रमों द्वारा रुचिनुसार अपने भविष्योन्मुख लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकते है। आज के आशातीत परिवर्तन के समय न केवल इनका सेवापूर्व प्रशिक्षण आवश्यक है, बल्कि इनके कार्य को बेहतर बनाने के उपाय भी आवश्यक है। क्योंकि देश को श्रेष्ठ बनाने के लिये कार्य निष्पादक नवाचार एवं अनुकरणीय आचरण से पूर्ण शिक्षकों की आवश्यकता है।

## प्रासंगिकता

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम प्रारूप को समाज की समस्याओं एवं राष्ट्र के आदर्शो को दृष्टि में रखकर तैयार किया गया है। अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में संशोधन व परिमार्जन करते हुए विभिन्न नवाचारों का समावेश, नवीन शिक्षण विधियों सिद्धान्तों सूत्रों का समावेश एवं क्रियात्मक अनुसंधान की भागीदारी को बढ़ाया है। इसके माध्यम से प्रशिक्षणार्थी आवश्यक कौशल, अवबोध अभिवृतियों का विकास कर सकेंगे। युवा पीढ़ी में गम्भीर चिन्तन उत्पन्न करने के साथ बेरोजगारी जैसी गम्भीर समस्या को रोक पायेंगे।

## वर्तमान में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थिति

देश में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिये 19542 संस्थाएं कार्यरत हैं। जिनमें 25826 पाठ्यक्रम संचालित किये गये है जो शिक्षको में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्राप्ति में सहायक होगें। इसके लिये 1500000 प्रशिक्षकुओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। चार वर्षीयों में 1 लाख 8000 रूपये चुकाना पड़ता है। जो एक वर्ष के साथ धन की बचत भी करता है एवं दोहरी डिग्री प्रदान करता है। इन चार वर्षो के अन्तर्गत 33 पेपर होते है। इसके साथ प्रेक्टिकल, पाठयोजनाएं एवं 21 दिन प्रथम वर्ष में एवं द्वितीय वर्ष में 96 दिन की इर्न्टनशिप भी करायी जाती है।

राष्ट्रीय शिक्षा निती में इस कार्यक्रम का अत्याधिक महत्व बताया गया है। इस कार्यक्रम मैं 2.5 लाख ग्राम पंचायतो, 6600 ब्लोकों, 6000 यु. एल. बी. 676 जिलों से प्राप्त हुए लगभग 2 लाख से ज्यादा सुझावों को शामिल किया गया है। इस निती का 2030 तक 100% युवा व प्रोड आक्षरता की प्राप्ति करना है। सभी प्रशिक्षणार्थियों को भविष्य में निजी एवं सरकारी नौकरियाँ के सुअवसर प्राप्त होगें। सरकार ने जी.डी.पी. मे 6% तक योगदान दिया है।

शिक्षा क्षेत्र को फिर से सक्रिय करने और इसे कामयाब बनाने के लिये शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह से बदलने की आवश्यकता है ।

## निष्कर्ष

इस प्रकार शोध पत्र के अध्ययन द्वारा यह समझा जा सकता है कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करना एक महत्वपूर्ण नवाचार उपलब्धि है। इस संशोधन के द्वारा न तो केवल शिक्षा का क्षेत्र उच्च होगा वरन शिक्षक का भी गुणात्मक विकस होगा। शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति एवं शिक्षण कौशल में विकास के लिये द्वि–वर्षीय एवं चार वर्षीय बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम एक सराहनीय कदम है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

## संदर्भ ग्रंथ

1. आचार्य, विजय, नवाचारों का वर्गीकरण, उपयोगिता तथा उन्हें प्रभावित करने वाले कारक एवं कठिनाइयां
2. अरोरा, संतोष, इन्फोरमेशन टेक्नॉलोजी एण्ड टीचर एज्यूकेशन
3. जैन, शुद्धात्मप्रकाश : नवाचार के युग के शिक्षक कैसे हो।
4. जोहरी, दिप्ती : आईसीटी यूजेज, पेटर्न एमंग टीचर ट्रेनिंग।
5. कासम, हसीना : सूचना प्रौद्योगिकी से शिक्षण में सहयोग।
6. श्रीमाली, ललित : भूमण्डलीकरण और अध्यापक शिक्षा